

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi
9th September, 2025

India Hosts Global Audit Leaders to Promote Technology Driven Good Governance

The Comptroller and Auditor General (CAG) of India is hosting a four-day international gathering in Hyderabad from today, bringing together senior officials and audit leaders from over 29 countries. The event focuses on how emerging technologies such as Artificial Intelligence (AI), data analytics, and geospatial tools can improve public audit systems and promote transparent and citizen-focused governance.

This global dialogue includes the 34th Annual Meeting of the International Organization of Supreme Audit Institutions' Working Group on IT Audit (INTOSAI-WGITA), a high-level summit on AI and emerging technologies, and the 17th Steering Committee Meeting of INTOSAI's Knowledge Sharing Committee. INTOSAI is the global body representing national audit offices (known as Supreme Audit Institutions, or SAIs) from over 190 countries, working to improve public sector auditing and financial accountability worldwide.

India, which currently leads both the IT Audit Working Group and the Knowledge Sharing Committee, is playing a key role in shaping global strategies for using technology in public auditing. Under the leadership of Shri K. Sanjay Murthy, the Comptroller and Auditor General of India, the CAG's office has been at the forefront of adopting AI, big data, and satellite technology to improve how government spending is tracked and evaluated.

Delegations from countries including China, Poland, Egypt, South Africa, and Estonia are participating in the discussions. These meetings are an opportunity to share experiences, align global audit practices with rapid technological changes, and strengthen cooperation across countries.

On 10th September, the IT Audit Working Group will discuss the latest international audit practices, including the use of AI tools, audit databases, and the group's upcoming work plan. On the following day, the AI Summit will be addressed by keynote speaker Dr. V. Kamakoti, Director of IIT Madras, who will speak on the current state and future of AI. A high-level panel will explore how audit institutions have applied advanced technologies to address global challenges like climate change, inclusion, and corruption.

On the final day, 12th September, the Knowledge Sharing Committee's Steering Meeting will be held, where audit leaders will discuss strategic priorities and review progress on global audit cooperation. India will also present its work on the PM *GatiShakti* initiative, a major infrastructure planning platform, as part of global trend-sharing efforts.

These events underscore India's growing leadership in the global audit community and its commitment to using innovation and international collaboration to improve public financial management. For citizens, this has a direct impact: better audits lead to better use of taxpayer money, stronger public institutions, and more effective delivery of government services. By convening this global platform, the CAG of India is not only advancing national audit reforms but also contributing to a more transparent, accountable and digitally empowered world.

BSC/SS/TT/57-25

प्रेस विज्ञप्ति

भारत में वैश्विक ऑडिट नेताओं का जुटान, टेक्नोलॉजी-आधारित सुशासन पर होगा मंथन

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) 9 से 12 सितंबर 2025 के बीच हैदराबाद में एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेज़बानी कर रहे हैं, जिसमें 29 से अधिक देशों के वरिष्ठ अधिकारी और ऑडिट प्रमुख शामिल हो रहे हैं। इस बहुपक्षीय आयोजन का उद्देश्य यह समझना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), डेटा एनालिटिक्स और जियोस्पेशियल टूल्स जैसी उभरती तकनीकों का उपयोग सार्वजनिक ऑडिट प्रणालियों को कैसे बेहतर बना सकता है और शासन को कैसे अधिक पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाया जा सकता है।

इस वैश्विक संवाद में अंतरराष्ट्रीय सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों (INTOSAI) के आईटी ऑडिट कार्य समूह (WGITA) की 34वीं वार्षिक बैठक, एआई और उभरती तकनीकों पर एक उच्च स्तरीय सम्मेलन, तथा INTOSAI के नॉलेज शेयरिंग कमेटी की 17वीं संचालन समिति की बैठक शामिल हैं। INTOSAI एक वैश्विक निकाय है जो दुनिया भर के राष्ट्रीय लेखा परीक्षक संस्थानों (Supreme Audit Institutions – SAIs) का प्रतिनिधित्व करता है और सार्वजनिक क्षेत्र की लेखा परीक्षा को सशक्त बनाने व वित्तीय जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए कार्य करता है।

भारत, जो फिलहाल WGITA और नॉलेज शेयरिंग कमेटी दोनों की अध्यक्षता कर रहा है, वैश्विक स्तर पर प्रौद्योगिकी-आधारित लेखा परीक्षा रणनीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक श्री के. संजय मूर्ति के नेतृत्व में CAG कार्यालय कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा और उपग्रह तकनीक को सरकारी खर्च की निगरानी और मूल्यांकन के लिए सक्रिय रूप से अपना रहा है।

चीन, पोलैंड, मिस्र, दक्षिण अफ्रीका और एस्टोनिया जैसे देशों के प्रतिनिधिमंडल इस चर्चा में भाग ले रहे हैं। यह सम्मेलन विभिन्न देशों के अनुभव साझा करने, वैश्विक लेखा परीक्षा मानकों को तकनीकी विकास के अनुरूप ढालने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मज़बूत करने का अवसर प्रदान करता है।

10 सितंबर को WGITA की बैठक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाई जा रही नई ऑडिट पद्धतियों पर चर्चा होगी, जिसमें एआई टूल्स, ऑडिट डेटाबेस और आगामी कार्य योजनाओं पर विचार किया जाएगा। 11 सितंबर को एआई और उभरती तकनीकों पर केंद्रित शिखर सम्मेलन में IIT मद्रास के निदेशक डॉ. वी. कामकोटी मुख्य भाषण देंगे, जिसमें वे एआई के वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालेंगे। इसके बाद एक उच्च स्तरीय पैनल यह विचार करेगा कि वैश्विक चुनौतियों जैसे जलवायु परिवर्तन, समावेशन और भ्रष्टाचार के खिलाफ ऑडिट संस्थाएं किस प्रकार तकनीक का उपयोग कर रही हैं।

सम्मेलन का अंतिम दिन, 12 सितंबर, नॉलेज शेयरिंग कमेटी की संचालन समिति की बैठक को समर्पित रहेगा, जिसमें रणनीतिक प्राथमिकताओं पर विचार और वैश्विक सहयोग की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इस अवसर पर भारत 'पीएम गतिशक्ति' पहल—जो एक प्रमुख अवसंरचना नियोजन मंच है—पर अपनी प्रस्तुति भी देगा। ये आयोजन भारत की वैश्विक लेखा परीक्षा समुदाय में बढ़ती भूमिका और नवाचार व अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। आम नागरिकों के लिए इसका सीधा लाभ यह है कि बेहतर ऑडिट से करदाताओं के पैसे का अधिक जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित होता है, संस्थान मज़बूत बनते हैं और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर होती है। भारत के CAG द्वारा इस वैश्विक मंच का नेतृत्व करना न केवल राष्ट्रीय लेखा सुधारों को आगे बढ़ा रहा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और डिजिटल रूप से सशक्त दुनिया के निर्माण में भी योगदान दे रहा है।